दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

15th ANNIVERSARY

वर्ष 15 | अंक 03 | मूल्य 15 रुपये | 08-14 जून, 2025

घाटी में ट्रेन दौड़ने का पूरा हुआ ख्वाब

पीएम मोदी ने कश्मीर में लहराया तिरंगा

भ्रष्टाचार पर सीएम धामी का अपने ही सिस्टम पर सबसे बड़ा एक्शन

उत्तराखंड की तर्ज पर अब यूपी में भी योगी सरकार की "होमस्टे नीति"

EXPERIENCE HELI TOUR WITH

Himgiri
Aviation & Tourism

SAME DAY TOUR

Do Dham

YATRA BY HELICOPTOR

DEHRADUN • KEDARNATH • BADRINATH • DEHRADUN

LIMITED SEATS ARE LEFT **BOOK NOW**

Contact for Reservation 8433456398, 9410353164

Email: himgiritourism@gmail.com
6 Municipal Road, Opps. Bala hissar Academy, Dalanwala, Dehradun-248001 (UK)

वर्ष 15 | अंक 03

दिव्य हिमगिरि

08-14 जून, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

ब्यूरो प्रमुख
मोनिका डबराल

विज्ञापन
पूनम आर्या

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार : डॉ. रजनीश गौतम
पौडी : रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार : के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर : हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली : मुकेश रावत
रुड़की : श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल : शीतल तिवारी
अल्मोड़ा : संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर : अजय शर्मा
प्रसार : रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*

*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

माँ का खौफनाक सौदा

महत्वाकांक्षा की भूख के आगे कई बार नैतिकता इस कदर हार जाती है कि व्यक्ति अपराध करने से भी नहीं हिचकता। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि इस तरह की प्रवृत्ति का शिकार कोई व्यक्ति अपने मासूम बच्चे को भी दांव पर लगा दे। उत्तराखंड के हरिद्वार में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी एक महिला नेता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ जो किया, उसकी कल्पना करना भी किसी संवेदनशील इंसान के लिए मुश्किल है। आरोप के मुताबिक, महिला ने अपनी ही मासूम बेटी को अपने प्रेमी और उसके दोस्तों के हवाले कर दिया। उसके बाद बच्ची से सामूहिक बलात्कार किया गया। यह आरोप अपने आप में इस प्रकृति का है कि एकबारगी इस पर विश्वास करना मुश्किल हो सकता है। मगर पुलिस ने इस संबंध में जो बताया, उसके बाद यह सवाल बहुत सारे लोगों के सामने खड़ा है कि महत्त्वाकांक्षा की हद आखिर क्या हो सकती है और उसके दुश्चक्र में फंसी कोई महिला ऐसी हरकत कैसे कर सकती है। पुलिस के अनुसार पीड़िता से पूछताछ और बयान दर्ज करने की प्रक्रिया करीब पांच घंटे तक चली। इन पांच घंटों के दौरान सिलसिलेवार बच्ची ने अपने साथ हुई दरिंदगी की बात बताई। सबसे बड़ी चौंकाने वाली बात ये रही कि जनवरी में रात के समय मां उसे घुमाने के बहाने अपने दोस्तों के साथ कार में लेकर गई। पीड़िता के मुताबिक मां ने उसे वोदका पिलाई और फिर उसने उसे कार में पीछे की तरफ अपने दोनों दोस्तों को सौंप दिया। बच्ची रोती-बिलखती रही और उसने मां के सामने भी ऐसा न करने की गुहार की। मगर मां ने साफ कह दिया कि ये सब करना ही पड़ेगा। पुलिस की मानें तो महिला नेत्री पति से कुछ महीनों पहले झगड़ा करने के बाद बेटी को अपने साथ ले गई थी। बेटे को पति के पास ही छोड़ दिया था। बेटी को साथ ले जाने की मंशा से पति भी बेखबर था। बीच-बीच में बेटी पिता से मिलने के लिए आ जाती थी। काफी समय से वह बेटी को आने नहीं दे रही थी। कई दिन पहले किसी तरह बच्ची पिता के पास आ गई। तब बच्ची की स्थिति देखकर पिता ने उससे पूछ उसने तो पूरी कहानी बयां कर दी। आरोप सामने आने के बाद भाजपा ने महिला नेता को पार्टी से निष्कासित कर दिया है, लेकिन इस मामले से यही साफ होता है कि चिंताजनक रूप से राजनीति में अब कुछ ऐसे लोग अपने पांव जमा रहे हैं, जिनका आचरण मर्यादा के विरुद्ध है और जिनके भीतर नैतिकता के लिए जगह नहीं दिखती। पिछले दिनों सामने आई कुछ घटनाओं ने राजनीति पर गहरा प्रभाव डाला है और समाज के सामने एक बड़ा प्रश्नचिह्न भी खड़ा किया है। हरिद्वार की घटना से मां-बेटी के गरिमामय संबंधों को भी ठेस पहुंची है। कल्पना की जा सकती है कि पीड़ित बच्ची के भीतर अपनी मां को लेकर कैसी छवि बनेगी। उसके भीतर भरोसे को लेकर जो संकट पैदा होगा, उसके बारे में सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है। बलात्कार जैसा अपराध किसी भी महिला के मानस को बुरी तरह प्रभावित करता है। मगर खासतौर पर कम उम्र के बच्चों के खिलाफ यौन उत्पीड़न जैसे जघन्य अपराध उनके कोमल मन-मस्तिष्क पर दीर्घकालिक रूप से घातक असर डालते हैं। यह समझना मुश्किल है कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के नारे के दौर में बेटियां इस तरह के असुरक्षित घेरों में जीने के लिए कैसे बाध्य की जा रही हैं।

कुँवर राज अस्थाना

संवाद और संचार की दुनिया में बज रहा हिंदी का डंका

प्रो. संजय द्विवेदी

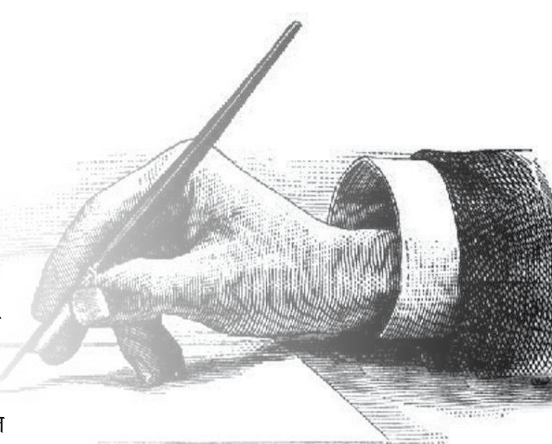

कोलकाता से 200 साल पहले जब पं. युगुलकिशोर शुक्ल ने हिंदी का पहला पत्र 30 मई, 1826 को प्रारंभ किया होगा, तो उन्होंने यह सोचा भी न होगा कि हिंदी पत्रकारिता देश की आवाज बन जाएगी। वह इस महान देश के सपनों, आकांक्षाओं, संघर्षों, आंदोलनों, दुखों और आर्तनाद की सबसे प्रखर भाषा की वाहक बनेगी। हिंदी पत्रकारिता के पहले संपादक का सपना था, हमारी पत्रकारिता 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' हो। यह वाक्य उन्होंने अपने पहले संपादकीय में लिखा और हमें हमारा संकल्प बता दिया। हमारी कृतध्नता देखिए कि इस महान नायक की स्मृति में देश में कोई स्मारक नहीं है। न कोलकाता में, न ही उनकी जन्मस्थली पर। अपने पुरखों के प्रति हम कितने लापरवाही से भरे हुए हैं, उसका उदाहरण है कि शुक्ल जी का कोई चित्र हमारे पास नहीं है। इसलिए 'उदंत मार्तण्ड' का पृष्ठ लगाकर उन्हें याद करते हैं। हद तो तब हो गई जब दो-तीन वर्षों से युगल किशोर शुक्ल के नाम पर हिंदी पत्रकारिता दिवस पर अनेक अखबारों में साहित्यकार श्री शिवपूजन सहाय के चित्र छापे जा रहे हैं। आज भी गूगल में सर्च करने पर शुक्ल जी के नाम पर सहाय जी का चित्र आंखों के सामने तैरता है। मैंने भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) में अपनी पदस्थापना के दौरान वहां के पुस्तकालय और वाचनालय का नामकरण शुक्ल जी के नाम पर किया। वह देश में उनकी स्मृति में पहला स्मारक था। यह तो रही हमारी स्मृति हीनता की बात। लेकिन शुक्ल जी रोपा पौधा आज लहलहा रहा है।

देश की आवाज-

हिंदी पत्रकारिता देश की सबसे खास आवाज बन चुकी है। इसके साथ ही संचार और संवाद की हिंदी सबसे खास भाषा है। सिर्फ पत्रकारिता से नहीं अपने विविध माध्यमों पर उपलब्ध कंटेंट से हिंदी को बड़ा आधार मिला है।

रजिस्ट्रार ऑफ न्यूजपेपर्स फॉर इंडिया (आर एन आई) 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 1 लाख, 47 हजार से अधिक पत्र-पत्रिकाएं पंजीकृत हैं, जिनमें 45 प्रतिशत हिंदी के हैं। इंडियन रीडरशिप सर्वे की मानें तो हिंदी अखबारों की पाठक संख्या 38 करोड़ से अधिक है। भारत में 750 से अधिक टीवी चौनल हैं, जिनमें 35 प्रतिशत हिंदी के हैं। ये आंकड़े बताते हैं हिंदी पत्रकारिता ने एक लंबी यात्रा में अपना सामाजिक आधार विस्तृत किया है।

डिजिटल दुनिया में राज कर रही हिंदीः

हिंदी पत्रकारिता का विस्तार अब डिजिटल दुनिया में भी संभव हुआ है। डिजिटल का सूरज कभी डूबता नहीं और जो डिजिटल पर है, वह ग्लोबल होने की संभावना से भरा हुआ है। इस दुनिया में भी हिंदी का डंका बज रहा है। गूगल और केपीएमजी की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि भारत में इंटरनेट उपभोक्ता अब 85 करोड़ से अधिक हैं। इनमें 70 प्रतिशत भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी में सामग्री पढ़ना, सुनना, देखना चाहते हैं। हिंदी डिजिटल का बाजार हर साल 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। 2024 के आंकड़े बताते हैं कि 75 प्रतिशत से अधिक वीडियो कंटेंट हिंदी और भारतीय भाषाओं में देखे जा रहे हैं। नए समय में ए-आई, भाषा मॉडल्स और वायस टू टेक्स्ट तकनीक से हिंदी कंटेंट को बहुत बढ़ावा मिल रहा। कल तक हिंदी टेक्स्ट को पढ़ने में कठिनाइयां महसूस कर रहे लोग दुनिया भर में हिंदी कंटेंट को सुन और देख रहे हैं। 2016 में डिजिटल माध्यम पर हिंदी पढ़ने वालों की संख्या 5.5 करोड़ थी, जो 2025 में बढ़कर 15.6 करोड़ होने का अनुमान है।

सोशल मीडिया पर भी दमदार उपस्थितिः

हिंदी में हर माह 10 अरब घंटे से ज्यादा वीडियो देखे जाने का आंकड़ा बताता है भाषा का विस्तार, शक्ति और गहराई क्या है। देश में यूट्यूब के उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 करोड़ से ऊपर है, जो इसे संभव बनाते हैं। भारत में इंस्टाग्राम के 30 करोड़ उपयोगकर्ताओं ने संचार की दुनिया में गहरा हस्तक्षेप किया। इंस्टा पर हिंदी रील्स की औसत व्यूवरशिप अंग्रेजी के मुकाबले दोगुनी से अधिक है। यूट्यूब और इंस्टा पर हिंदी कंटेंट बनाने वालों की संख्या भी 2020 के मुकाबले दोगुनी हो गई है। वायस सर्च में हिंदी का उपयोग उसे विस्तार दे रहा है।

ओटीटी पर हिंदी राजः

कोरोना में मनोरंजन संचार की सबसे बड़ी घटना थी, ओटीटी कंटेंट का विस्तार और स्वीकार। आज भारत में यह लगभग 23,000 करोड़ रुपए का बाजार है। अनुमान है कि 2027 तक यह 40,000 करोड़ का हो जाएगा। भारत में ओटीटी के 50 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं, जिनमें 70 से अधिक हिन्दी भाषी हैं। कंपनियां सबसे ज्यादा ओरिजनल कंटेंट हिंदी में बना रही हैं।

समग्रता में देखें तो 1826 में एक पत्र चलाना कितना कठिन था। शुक्ल जी उसे दो साल भी नहीं चला सके। आज इतने सारे संचार माध्यमों पर राज कर रही हिंदी का विस्तार देखकर उनकी आत्मा निश्चित ही प्रसन्न होकर संचार के साधकों पर आशीर्वाद की वर्षा कर रही होगी। अब जबकि हम हिन्दी पत्रकारिता के 200 साल पूरे करने जा रहे हैं, तो हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने सभी संचार माध्यमों को ज्यादा जनपक्षधर, मानवीय, संवेदनशील, अश्लील सामग्री मुक्त और विमर्श का केंद्र बनाएं।

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान-आईआईएमसी, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं।)

उत्तराखंड की तर्ज पर अब यूपी में भी योगी सरकार की "होमस्टे नीति"

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तराखंड की होमस्टे नीति देशव्यापी बनती जा रही है। देवभूमि में यह योजना मुख्य रूप से पर्यटक-अतिथियों के ध्यान में रखकर शुरू की गई। अब उत्तर प्रदेश भी होमस्टे को बढ़ावा देने जा रहा है। धामी सरकार की तर्ज पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राज्य में होमस्टे नीति शुरू करने का एलान किया। योगी सरकार ने धार्मिक, पर्यटन आतिथ्य को बढ़ावा देने के लिए नई होमस्टे नीति को मंजूरी दी। इस नई नीति का उद्देश्य राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ठहरने की बेहतर और सुलभ सुविधा प्रदान करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंजीकरण शुल्क कम होगा। यह नीति पर्यटकों को सुविधा और स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करेगी। होमस्टे एक प्रकार का आवास है जो मेहमानों को स्थानीय मेजबान से एक कमरा या पूरा घर किराए पर लेने की अनुमति देता है। यह यात्रियों को एक ऐसा अनुभव प्रदान करता है जहां वे स्थानीय लोगों की तरह रह सकते हैं। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन के बढ़ते चलन के साथ मिलकर उत्तराखंड को होमस्टे के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है।

पहाड़ी या हिमालयी राज्यों में आमतौर पर कोई रोजगार के साधन नहीं होते हैं। ऐसे में सरकार छोटे शहरों और गांवों में प्रयास करती है कि लोगों को वहीं रोजगार, स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराया जाएं। ऐसे ही प्रयास उत्तराखंड (देवभूमि) की सरकारों ने किया है। मौजूदा समय में उत्तराखंड में धामी सरकार की 'होमस्टे' नीति फल फूल रही है। सरकार की इस नीति से खास तौर पर पहाड़ी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को स्वरोजगार भी मिला हुआ है। वैसे भी देवभूमि पूरे देश भर में अपने स्वागत और आतिथ्य के लिए जाना जाता है। उत्तराखंड की धामी सरकार राज्य में होमस्टे योजना को बढ़ावा दे रही है। कुछ समय पहले सरकार ने नई पहल शुरू की है। धामी सरकार ट्रैकिंग रूट्स पर होमस्टे बनाने वालों को अनुदान दी और टूरिस्ट न होने की स्थिति में भी सरकार होमस्टे संचालकों को रोजाना 60 रुपए प्रति कमरे के हिसाब से पेय करने की घोषणा की थी। इस योजना से हजारों लोग जुड़े हुए हैं। उत्तराखंड में होमस्टे योजना मुख्य रूप से पर्यटक और अतिथियों के ध्यान में रखकर शुरू की गई। उल्लेखनीय है कि होमस्टे एक प्रकार का आवास है जो मेहमानों को स्थानीय मेजबान से एक कमरा या पूरा घर किराए पर लेने की अनुमति देता है। यह यात्रियों को एक ऐसा अनुभव प्रदान करता है जहां वे स्थानीय लोगों की तरह रह सकते हैं, अक्सर व्यक्तिगत आतिथ्य के साथ और स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का अनुभव करने का अवसर मिलता है। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन के बढ़ते चलन के साथ मिलकर उत्तराखंड को होमस्टे के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है। कुमाऊं की शांत पहाड़ियों से लेकर गढ़वाल के आध्यात्मिक माहौल तक, यहां हर यात्री के लिए कुछ न कुछ है।

उत्तराखंड में अपने होमस्टे का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। यह न केवल आपके व्यवसाय को वैध बनाता है, बल्कि सरकारी सब्सिडी और प्रचार सहायता के द्वार भी खोलता है। उत्तराखंड सरकार राज्य में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी देती है। ये सब्सिडी आपके होमस्टे को स्थापित करने और चलाने के वित्तीय बोझ को कम करने में मदद कर सकती है। अब यह योजना उत्तराखंड से निकलकर देशव्यापी बनती जा रही है। उत्तराखंड का पड़ोसी उत्तर प्रदेश भी अब होमस्टे नीति को बढ़ावा देने जा रहा है। धामी सरकार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राज्य में होमस्टे नीति शुरू करने का एलान किया है। पिछले मंगलवार को यूपी की योगी सरकार ने धार्मिक, पर्यटन आतिथ्य को बढ़ावा देने के लिए नई होमस्टे नीति को मंजूरी दी। इस नई नीति का उद्देश्य राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ठहरने की बेहतर और सुलभ सुविधा प्रदान करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंजीकरण शुल्क कम होगा। यह नीति पर्यटकों को सुविधा और स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करेगी। कोई भी पर्यटक लगातार सात दिन तक इस सुविधा का लाभ उठाते हुए यहां ठहर सकता है। राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आरामदायक आवास विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश बिस्तर और नाश्ता (बी एंड बी) और होमस्टे नीति-2025 को मंजूरी दे दी। होमस्टे नीति के मुताबिक धार्मिक और पर्यटन स्थलों में कोई भी व्यक्ति अपने 1 से 6 कमरों तक की इकाई को होमस्टे के रूप में रजिस्टर करा सकता है। इसके तहत, अधिकतम 12 बेड की अनुमति होगी। कोई भी पर्यटक लगातार 7 दिन तक इस सुविधा का लाभ उठाते हुए यहां ठहर सकता है। इससे अधिक ठहरने की स्थिति में रिन्यूअल की भी व्यवस्था होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे इकाइयों के लिए 500 से 750 रुपये तक का शुल्क लिया जाएगा। वहीं, शहरी या सिल्वर श्रेणी के होमस्टे के लिए 2000 रुपये का आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है।

इस नीति के लागू होने से न केवल पर्यटकों को सस्ते और सुविधाजनक ठहरने का विकल्प मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह नीति प्रदेश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्थलों के कारण यह राज्य पहले से ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है। हालांकि, अभी तक होमस्टे के लिए कोई राज्य स्तरीय नीति नहीं थी। नतीजतन, होमस्टे संचालकों को केंद्र सरकार के निधि-पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ता था। नई नीति के साथ, वे

रुद्रप्रयाग के सारी गांव में 25 साल पहले हुई थी होमस्टे की शुरुआत

रुद्रप्रयाग जिले में तुंगनाथ, चोपता ट्रैक पर मौजूद सारी गांव उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में ग्रामीण पर्यटन और स्वरोजगार की मिसाल कायम कर रहा है। सारी गांव में इस वक्त करीब 50 होम स्टे संचालित हो रहे हैं, जिसमें ढाई सौ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। सारी गांव में होमस्टे की शुरुआत, 1999 में माउंटेन गाइड मुरली सिंह नेगी ने की, तब उन्होंने अपने पुराने घर की मरम्मत करते हुए, इस क्षेत्र में ट्रैकिंग के लिए आने वाले पयर्टकों को ठहरने और खाने की सुविधा प्रदान की। चूंकि यहां वर्ष भर पयर्टकों की आवाजाही रहती है, इस कारण जल्द ही अन्य लोगों ने भी अपने परम्परागत घरों के दरवाजे पयर्टकों के लिए खोल दिए। ग्रामीण शुरुआत से ही, पर्यटकों को पहाड़ी जीवनशैली के अनुरूप आवास और भोजन उपलब्ध कराते थे, जो पर्यटकों को नया अनुभव देता था। अब वर्तमान में यहां होम स्टे की संख्या 50 तक पहुंच गई है, जिसमें से 41 पर्यटन विभाग के पास पंजीकृत हैं, कई लोगों ने प्रदेश सरकार की दीन दयाल उपाध्याय पयर्टक होम स्टे योजना के तहत भी होम स्टे शुरु किए हैं। इसके अलावा 30 लोगों को ट्रेकिंग ट्रक्शन सेंटर होम-स्टे योजनान्तर्गत के तहत अनुदान मिला है। स्थानीय ग्रामीण जीएस भट्ट बताते हैं कि गत वर्ष गांव में करीब सात हजार पयर्टक ठहरने के लिए आए। स्वरोजगार के चलते गांव में पलायन बहुत कम है, साथ ही अन्य गांवों के विपरीत सारी गांव पूरी तरह जीवंत बना हुआ है। दिसंबर माह में रुद्रपयाग जिले के दौरे पर पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी सारी गांव पहुंच कर होम स्टे में रात्रि विश्राम किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गांव में पयर्टन और स्वरोजगार के मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि इसे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ग्राम वासियों के साथ ही भोजन भी किया। रुद्रप्रयाग से सारी गांव की दूरी लगभग 60 किलोमीटर है। सारी से तुंगनाथ ट्रैक की दूरी लगभग 30 किलोमीटर है। यह ट्रैक आपको तुंगनाथ मंदिर तक ले जाता है, जो भगवान शिव को समर्पित है। सारी गांव से चोपता ट्रैक की दूरी लगभग 25 किलोमीटर है। यह ट्रैक आपको चोपता घाटी तक ले जाता है, जो इन दिनों लाल बुरांश से सजा हुआ है। सारी से ही देवरिया ताल ट्रैक भी शुरू होता है, जिसकी दूरी करीब तीन किमी है। सारी में 191 परिवार वर्तमान में निवासरत हैं। 1200 करीब की आबादी है गांव की। यहां पर 50 से अधिक होम स्टे संचालित हो रहे हैं। 250 करीब लोगों को स्वरोजगार मिला हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि सरकार होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चल रही है। अच्छी बात यह है कि उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में अब होमस्टे का कारोबार खूब फल फूल रहा है, जो ग्रामीणों की आर्थिक की का भी बड़ा जरिया बन रहा है।

अब स्थानीय अधिकारियों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करके आसानी से पंजीकरण करा सकते हैं। सुरेश खन्ना ने आगे बताया कि नीति में वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन भी शामिल हैं, ताकि निवासियों को अपने घरों का कुछ हिस्सा पर्यटन उद्देश्यों के लिए देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। यह न केवल पर्यटकों के लिए किफायती और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराएगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आय और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। कुल मिलाकर, इससे राज्य की अर्थव्यवस्था और पर्यटन के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पर्यटन विभाग के अनुसार, नई नीति की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर होटल आमतौर पर पूरी तरह से बुक हो जाते हैं, जिससे आगंतुकों के पास ठहरने के लिए सीमित या कोई विकल्प नहीं बचता। नीति का उद्देश्य स्थानीय निवासियों को होमस्टे आवास प्रदान करने में सक्षम बनाकर इस समस्या का समाधान करना है। इस नीति के लागू होने से न केवल पर्यटकों को सस्ते और सुविधाजनक ठहरने का विकल्प मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह नीति प्रदेश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी। बता दें कि यूपी अपने धार्मिक स्थलों के लिए मशहूर है। अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे तीर्थस्थलों पर हर साल लाखों लोग आते हैं। पर्यटन के लिहाज से ताजमहल और फतेहपुर सीकरी जैसे ऐतिहासिक स्थल भी दुनिया भर में मशहूर हैं। लेकिन, अक्सर होटल फुल होने पर पर्यटक ठहरने के लिए परेशान हो जाते थे। अब इस नीति से यह दिक्कत दूर होगी।

सीएम धामी ने होमस्टे संचालकों से किया सीधा संवाद

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में मुख्य सेवक संवाद के तहत ''गांव से ग्लोबल तक होम स्टे'' संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यभर से आए होमस्टे संचालकों से बातचीत कर राज्य में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए उनके महत्वपूर्ण सुझाव लिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा होम स्टे को तेजी से बढ़ावा दिया गया है। होम स्टे संचालक प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को ठहरने अच्छी सुविधा के साथ राज्य की संस्कृति, परंपरा, खानपान, पहनावे से भी अवगत करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की असली आत्मा गांवों में बसती है। जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक विरासत का अद्भुत संगम एक ही स्थान पर देखा जा सकता है। स्थानीय अर्थव्यवस्था और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने होमस्टे योजना की शुरुआत की थी। आज राज्य के दूरदराज गांवों में होमस्टे योजना अपनी एक अलग पहचान बना रही है। राज्य के पांच हजार से अधिक परिवारों ने इस योजना से जुड़कर अपने घरों के द्वार पर्यटकों के लिए खोले हैं। होम स्टे चलाने वाले सभी लोग राज्य के ब्रांड एंबेसडर हैं। सीएम धामी ने कहा कि राज्य में होम स्टे संचालकों द्वारा पारंपरिक व्यंजन को बढ़ावा देने के साथ ही राज्य की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। इस पहचान को हमें गांव से ग्लोबल तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवथा को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। एक जनपद, दो उत्पाद' योजना के माध्यम से लोगों की आजीविका वृद्धि की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए राज्य में 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड की शुरुआत की गई है। स्टेट मिलेट मिशन से राज्य के मिलेट को देश में अलग पहचान भी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थाटन और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है। राज्य में धार्मिक, साहसिक, ईको-टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, एग्रो टूरिज्म और फिल्म पर्यटन जैसे विभिन्न क्षेत्रों को तेजी से बढ़ावा दिया गया है। केदारखंड की भांति मानसखंड कॉरिडोर योजना के अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के धार्मिक स्थलों को विकसित किया जा रहा है। ऋषिकेश और हरिद्वार को योग और आध्यात्मिक केंद्रों के रूप में वैश्विक स्तर पर प्रमोट किया जा रहा है। फिल्म शूटिंग के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम लागू किया गया है। उत्तराखंड में शूटिंग करने पर फिल्म निर्माताओं को विशेष सब्सिडी और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इसी का परिणाम है कि उत्तराखंड को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा हमारे चार गांवों जखोल, हर्षिल, गूंजी और सूपी को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि यह संवाद कार्यक्रम हमारे ग्रामीण पर्यटन की दिशा में एक नई सफलता का कदम जोड़ेगा। यह कार्यक्रम केवल एक संवाद ही नहीं, बल्कि हमारे गांवों की आत्मा को वैश्विक पहचान देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी के विकास के मॉडल का भी एक मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि गांव से ग्लोबल की यह यात्रा तभी सफल होगी जब हम सब मिलकर इसे अपनाएं और इसे स्थाई पर्यटन की क्रांति में बदलें। पर्यटन विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में 317 होमस्टे संचालकों को वित्तीय और प्रबंधन प्रशिक्षण दिया गया है। वर्ष 2025-26 में सभी जनपदों में यह प्रशिक्षण लागू किया जाएगा। राज्य में एक समन्वित 'स्टेट टास्क फोर्स' का गठन किया गया है, जिसमें पर्यटन, पंचायती राज, ग्राम्य विकास और स्वास्थ्य विभाग शामिल हैं। इस मौके पर पौड़ी जिले से आई होमस्टे संचालक श्रीमती नम्रता कंडवाल ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर भी होमस्टे रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। स्कूल और कॉलेजों के छात्र छात्राओं को होमस्टे के टूर पर भी ले जाया जा सकता है। मुक्तेश्वर नैनीताल से होमस्टे संचालक दीपक बिष्ट ने कहा कि राज्य में ज्यादा से ज्यादा होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए इसकी प्रक्रिया का सरलीकरण करना होगा। लाभार्थियों को बैंकों से आसानी से लोन मिले, इस पर भी कार्य करने की आवश्यकता है। चमोली के नरेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा राज्य में निरंतर होमस्टे को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा विभिन्न होमस्टे को सड़कों से जोड़ना चाहिए। जिससे पर्यटकों को आवाजाही में सुगमता हो और अधिक से अधिक पर्यटक होमस्टे में आ सके। उन्होंने कहा होमस्टे में कचरा प्रबंधन एवं प्लास्टिक के निस्तारण के लिए भी कार्य होना चाहिए। वहीं लैंसडाउन के विक्की रावत ने कहा कि होमस्टे में अधिक से अधिक सस्टेनेबल आर्किटेक्चर का इस्तेमाल होना चाहिए। हमें राज्य में ही होमस्टे के मॉडल तैयार करने चाहिए। पर्यटन विभाग के माध्यम से अन्य लोगों को भी होमस्टे के नक्शे दिए जा सकते हैं। उन्होंने होमस्टे की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। उत्तरकाशी के अखिल पंत ने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर लोगों से मिलकर जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। होमस्टे के लिए आयोजित होने वाली कार्यशालाओं का आयोजन भी किसी होमस्टे में ही होना चाहिए।

भ्रष्टाचार पर सीएम धामी का अपने ही सिस्टम पर सबसे बड़ा एक्शन

हरिद्वार जमीन घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सख्त एक्शन दिखाते हुए दो आईएएस एक पीसीएस समेत 12 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। जमीन खरीदने के एवज में 54 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया जबकि असल में इस का मूल्य 15 करोड़ भी नहीं था। जांच रिपोर्ट के बाद मुख्यमंत्री ने हरिद्वार के जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह, पूर्व नगर आयुक्त वरुण चौधरी और एसडीएम अजयवीर सिंह को सस्पेंड कर दिया गया। इनके अलावा वरिष्ठ वित्त अधिकारी निकिता बिष्ट, कानूनगो राजेश कुमार, तहसील प्रशासनिक अधिकारी कमलदास और वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक विक्की को भी निलंबित कर दिया। यह पहला मौका है जब किसी सत्ताधारी सरकार ने अपने ही सिस्टम में बैठे बड़े अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की है। सीएम धामी ने कहा है कि जब उन्हें जांच रिपोर्ट मिली तो उन्होंने दोषी अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश दिए। पूरे मामले की जांच विजिलेंस को दी गई है। नगर निगम के कार्यों के लिए स्पेशल ऑडिट होगा उसमें जो भी खामियां मिलेगी उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। दिव्य हिमगिरि से शंभू नाथ गौतम की खास रिपोर्ट।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार को लेकर अपने ही प्रशासनिक अधिकारियों पर सबसे बड़ा एक्शन लिया। मुख्यमंत्री की यह एक ऐसी कार्रवाई थी जिसे राज्य में भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी क्यों न हो, लंबे समय तक याद रखेगा। मंगलवार को हरिद्वार जमीन घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सख्त एक्शन दिखाते हुए दो आईएएस एक पीसीएस समेत 12 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। सस्पेंड किए गए अधिकारियों में हरिद्वार के डीएम, एसडीएम और पूर्व नगर आयुक्त शामिल हैं। मामला 15 करोड़ की जमीन को 54 करोड़ में खरीदने का है, जिसमें हरिद्वार नगर निगम ने एक अनुपयुक्त और बेकार भूमि को अत्यधिक दाम में खरीदा। जबकि न भूमि की कोई तात्कालिक जरूरत थी, और न ही खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती गई। शासन के नियमों को दरकिनार कर घोटाला को अंजाम दिया गया। जांच रिपोर्ट आने के बाद हरिद्वार के जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, पूर्व नगर आयुक्त वरुण चौधरी और एसडीएम अजयवीर सिंह को सस्पेंड कर दिया गया। इनके अलावा वरिष्ठ वित्त अधिकारी निकिता बिष्ट, कानूनगो राजेश कुमार, तहसील प्रशासनिक अधिकारी कमलदास और वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक विक्की को भी निलंबित कर दिया। यह पहला मौका है जब किसी सत्ताधारी सरकार ने अपने ही सिस्टम में बैठे बड़े अधिकारियों पर इतनी कठोर कार्रवाई की है। इससे पहले नगर निगम के प्रभारी सहायक नगर आयुक्त रविंद्र कुमार दयाल, अधिशासी अभियंता आनंद सिंह मिश्रवाण, कर एवं राजस्व अधीक्षक लक्ष्मीकांत भट्ट और अवर अभियंता दिनेश चंद्र कांडपाल को भी निलंबित किया जा चुका है। संपत्ति लिपिक वेदवाल का सेवा विस्तार भी समाप्त कर उन्हें अनुशासनिक जांच में शामिल किया गया है। अब इस पूरे मामले की जांच विजिलेंस करेगी और इसमें और भी कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं। बता दें कि गार्बेज डंपिंग यार्ड (कूड़ा एकत्र करने की जगह) के विस्तारीकरण के लिए जमीन खरीदने की प्रक्रिया में न तो पारदर्शिता बरती गई और न नियमों का पालन किया गया। साथ ही जमीन खरीदने के एवज में

मयूर दीक्षित को हरिद्वार का डीएम बनाया, नितिका खंडेलवाल को टिहरी नियुक्त किया गया

मुख्यमंत्री धामी के हरिद्वार के डीएम कर्मेंद्र सिंह को जमीन घोटाले के मामले में सस्पेंड किए जाने के बाद शाम को ही जिलाधिकारी की नियुक्ति भी कर दी। आईएएस मयूर दीक्षित को हरिद्वार जनपद के डीएम की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं उनकी नियुक्ति के बाद टिहरी में खाली हुए डीएम के पद पर आईएएस नितिका खंडेलवाल को नियुक्ति दी गई है। वह निदेशक पुनर्वास टिहरी बांध परियोजना का दायित्व भी देखेंगी। नितिका शासन में सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज, विज्ञान प्रौद्योगिक, निदेशक-यूसैक, प्रबंध निदेशक हिल्ट्रान के प्रभार देख रही थीं। आईएएस मयूर दीक्षित, इससे पहले जनपद टिहरी गढ़वाल के जिलाधिकारी की जिम्मेदारी के साथ ही पुनर्वास टिहरी बांध परियोजना के निदेशक और जिला विकास प्राधिकरण टिहरी के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। मयूर दीक्षित साल 2013 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वहीं नितिका खंडेलवाल साल 2015 बैच की आईएएस हैं। हरिद्वार डीएम पद से सस्पेंड आईएएस कर्मेंद्र सिंह को फिलहाल निलंबन अवधि में सचिव कार्मिक एवं सतर्कता विभाग उत्तराखंड शासन के कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

54 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया जबकि असल में इस का मूल्य 15 करोड़ भी नहीं था। इस आधार पर जांच अधिकारी ने हरिद्वार के डीएम कर्मेंद्र सिंह, तत्कालीन नगर आयुक्त व वर्तमान में अपर सचिव स्वास्थ्य वरुण चौधरी, एसडीएम अजय वीर सिंह, तत्कालीन तहसीलदार, प्रशासनिक अफसर, अभियंता, लिपिक, पटवारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर पर कार्रवाई की संस्तुति की गई। जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि जमीन को खरीदने से पहले, सेक्शन 143 की कार्रवाई कर उसका भू-उपयोग बदल दिया गया। इससे कृषि भूमि का रेट कॉमर्शियल हो गया। ऐसा करके पांच हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर के दाम वाली जमीन की कीमत को बढ़ाकर 25 हजार प्रति वर्ग मीटर हो गया। 25 हजार प्रति वर्ग मीटर का रेट पूरी तरह विकसित कॉमर्शियल भूमि का है। इसके अलावा सेक्शन 143 की प्रक्रिया भी महज छह दिन के भीतर संपन्न कर दी गई जबकि आमतौर पर इस प्रक्रिया को पूरा करने में काफी समय लगता है। इसी आधार पर जांच अधिकारी ने रिपोर्ट में भूमि खरीद की प्रक्रिया को नियम विरुद्ध बताया है। सीएम धामी ने साफ कहा है कि जब उन्हें जांच रिपोर्ट मिली तो उन्होंने दोषी अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश दिए। पूरे मामले की जांच विजिलेंस को दी गई है। नगर निगम के कार्यों के लिए स्पेशल ऑडिट होगा उसमें जो भी खामियां मिलेगी उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि सरकार भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए 1064 टोल फ्री हेल्पलाइन चलाई जा रही है, जिसमें शिकायत आने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश सीएम ने दिए हैं।

अब भ्रष्टाचार नहीं, जवाबदेही तय होगी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने दोहराया कि उत्तराखंड सरकार किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। माननीय मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत उधम सिंह नगर के जिलाधिकारी द्वारा शिकायत करने पर काशीपुर में अधीक्षण अभियंता शिवम द्विवेदी को सस्पेंड करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित जनसुनवाई करें, समाधान आधारित कार्यशैली अपनाएं और कैंपों के माध्यम से जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर तत्काल समाधान करें। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में विजिलेंस व्यवस्था को और सशक्त एवं सक्रिय बनाया जा रहा है। अब सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में सीधे और निर्णायक हस्तक्षेप करेगी। किसी भी स्तर का अधिकारी यदि दोषी पाया गया, तो उसे कड़ी सजा दी जाएगी। हालांकि, उसे निष्पक्ष सुनवाई और स्पष्टीकरण का अवसर भी दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नैनीताल में कुमाऊं मंडल स्तरीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कुमाऊं मंडल के छह जनपद- नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत एवं ऊधमसिंहनगर के जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने मंडल में केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा गतिमान योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण को आपसी समन्वय बनाते हुए जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जनता दरबार लगाकर, चौपाल लगाकर धरातल पर कार्य करने की आवश्यकता है। ताकि अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति भी सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो। उन्होंने कहा माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनपद में चल रहे कार्यों में अपना योगदान करें। भ्रष्टाचार को समाप्त करना ही हमारा संकल्प है और इसके लिए 1064 नंबर चलाया गया है। मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को कहा कि वह 10 से 1:00 बजे तक अपने कार्यालय में बैठने का शेडयूल बनाएं ताकि दूर से आने वाले लोग उनसे मिल पाए वह अपनी बात रख पाएं। मुख्यमंत्री ने सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानकों के अनुरूप कार्य न होने या अनावश्यक देरी होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में जमरानी बांध परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पुनर्वास पैकेज को स्वीकृति दी जा चुकी है तथा मास्टर प्लानिंग पूर्ण हो चुकी है। मानसून से पूर्व मुख्य बांध निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। यह परियोजना उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश दोनों राज्यों के लिए सिंचाई क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने सूखा ताल के पुनर्जीवन प्रयासों को और गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह कार्य नमामि गंगे योजना के अंतर्गत पेयजल विभाग द्वारा किया जा रहा है और 2916.00 लाख रुपए की लागत से जनपद नैनीताल में सूखाताल झील का संवर्धन एवं सौंदर्यकरण का कार्य गतिमान है।

कैंची धाम क्षेत्र के समग्र विकास पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने वहां सभी आवश्यक सुविधाओं के विकास कार्यों को प्राथमिकता देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा 2815.68 लाख की लागत से मानसखंड मंदिर माला के अंतर्गत श्री कैंची धाम में सौंदर्य कारण एवं प्रकाशीकरण का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के लिए मास्टर प्लान पर प्रगति की जानकारी दी और बताया कि पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज का बजट दोगुना किया गया है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में सभी अत्याधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के सपनों को साकार करना ही हमारी प्राथमिकता है। उत्तराखंड पहले ही कई क्षेत्रों में देशभर में अग्रणी बन चुका है और अब हमें यह सुनिश्चित करना है कि अन्य क्षेत्रों में भी प्रदेश शीर्ष स्थान पर पहुंचे।

आरसीबी की जीत के जश्न में मौत के गहरे जख्म

आईपीएल टूर्नामेंट में पहली बार रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। आरसीबी को पहली बार जीत मिली थी जाहिर है जश्न भी बड़ा होना था। इसका आयोजन बुधवार को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रखा गया। विजेता टीम के खिलाड़ी जीत के जश्न में खुशियां मना रहे थे। स्टेडियम में लाखों लोग आरसीबी को जीत पर बधाई दे रहे थे अचानक भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई, 33 घायल हो गए। आरसीबी विजेता टीम के खिलाड़ी जो स्क्रीन पर छाए हुए थे वह सभी पर्दे के पीछे चले गए। इस दुखद घटना के बाद सोशल मीडिया पर देशवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। हादसा उस समय हुआ जब विधानसभा में टीम का सम्मान समारोह चल रहा था। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर बी दयानंद समेत 8 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। भले ही मुख्यमंत्री ने इस मामले में पुलिस प्रशासनिक अफसरों पर कड़ी कार्रवाई की है लेकिन जो मर गए हैं वह कभी लौट के नहीं आएंगे। एक ऐसा दुखद हादसा जो मृतकों के परिवार को जिंदगी भर के लिए गहरा दुख दे गया।

दिन मंगलवार, तारीख 3 जून साल 2025 की शाम। गुजरात के अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स चैंपियंस बनने के लिए भिड़ रही थी। आखिरकार आईपीएल टूर्नामेंट में पहली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। आरसीबी को पहली बार जीत मिली थी जाहिर है जश्न भी बड़ा होना था। इसका आयोजन बुधवार शाम को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रखा गया। विजेता टीम के खिलाड़ी जिसमें विराट कोहली भी थे सभी जीत के जश्न में खुशियां मना रहे थे। शाम तक 5 बजे तक सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। उसके बाद जो भी हुआ वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कर्नाटक सरकार के लिए गहरा जख्म दे गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित जीत का जश्न पल भर में मातम में बदल गया। हादसा उस वक्त हुआ जब कर्नाटक विधानसभा में टीम का सम्मान हो रहा था। विराट कोहली, आरसीबी के कप्तान पाटीदार समेत सभी खिलाड़ी खामोश हो गए। किसी को कुछ भी समझ में नहीं आया कि जीत के जश्न में मौतों का दाग कैसे लग गया? चिन्नास्वामी स्टेडियम से लेकर बेंगलुरु के हजारों लोग आरसीबी को जीत पर बधाई दे रहे थे अचानक खामोश हो गए। आरसीबी विजेता टीम के खिलाड़ी जो स्क्रीन पर छाए हुए थे वह सभी पर्दे के पीछे चले गए। इस दुखद घटना के बाद सोशल मीडिया पर देशवासियों का गुस्सा भी फूट पड़ा। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के बाद बेंगलुरु में हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, 33 लोग घायल हो गए। कर्नाटक सरकार ने भी हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की है लेकिन मौतों के बाद सबसे अहम सवाल यही उठ रहा है कि जीत के जश्न को मातम में बदलने का जिम्मेदार कौन? क्या आरसीबी की जीत को भुनाने में लोगों को बचाना भूल गई कर्नाटक सरकार? ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने भगदड़ का ठीकरा सीधे सीधे क्रिकेट एसोशिएशन पर फोड़ दिया। हादसा चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुआ, जब विधानसभा में टीम का सम्मान समारोह चल रहा था। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, 'स्टेडियम के बाहर 3 लाख लोगों की भीड़ थी, स्टेडियम की कैपेसिटी 35 हजार लोगों की थी। हादसे ने जीत की खुशी मिटा दी, यह नहीं होना चाहिए था। कर्नाटक सरकार ने जिम्मेदारी

से पल्ला झाड़ते हुए क्रिकेट एसोसिएशन पर ठीकरा फोड़ा है। सीएम सिद्धारमैया ने बीजेपी के सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि महाकुंभ के दौरान भी भगदड़ हुई थी। ऐसी घटनाओं पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। दरअसल, भगदड़ पर विपक्षी नेताओं द्वारा कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराए जाने को लेकर जब पत्रकारों ने सवाल किया तो कर्नाटक सीएम उखड़ पड़े और गुस्साते हुए बोले,' ऐसी घटनाएं कई जगह हुई, कुंभ मेले में भी तो 50-60 लोग मर गए। मैंने आलोचना नहीं की। न मैंने न मेरी सरकार ने उस वक्त कोई टिप्पणी की। पार्टी ने क्या बोला मैं उस पर कुछ नहीं कहना चाहता हूं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर बी दयानंद समेत 8 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। बी दयानंद की जगह आईपीएस अधिकारी सीमंत कुमार सिंह को नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। सस्पेंड किए गए बाकी अधिकारियों में एडिशनल पुलिस कमिश्नर, कब्बन पार्क थाना प्रभारी, एसीपी, डीसीपी सेंट्रल डिवीजन, क्रिकेट स्टेडियम प्रभारी, स्टेशन हाउस मास्टर, स्टेशन हाउस ऑफिसर शामिल हैं। वहीं बेंगलुरु भगदड़ मामले में पुलिस ने आरसीबी के सीनियर मार्केटिंग ऑफिसर निखिल सोसाले को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। निखिल मुंबई भागने की तैयारी में था। भले ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस मामले में पुलिस प्रशासनिक अफसरों पर कड़ी कार्रवाई की है लेकिन जो मर गए हैं वह कभी लौट के नहीं आएंगे। एक ऐसा दुखद हादसा जो मृतकों के परिवार को गहरा दुख जिंदगी भर के लिए दे गया।

आरसीबी की जीत के बाद बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में उमड़ी भारी भीड़

बुधवार शाम को आरसीबी की जीत के बाद बेंगलुरु में विक्ट्री परेड होनी थी। बेंगलुरु विधानसभा से चिन्नास्वामी स्टेडियम के बीच 2.5 किमी रास्ते में करीब 3 लाख फैंस जमा हो गए। भीड़ कंट्रोल से बाहर हुई तो बेंगलुरु पुलिस ने परेड की इजाजत नहीं दी। लोगों के बीच स्टेडियम की घुसने की होड़ थी। एक छोटे गेट पर दबाव इतना बढ़ा कि वह टूट गया और भगदड़ मच गई। कई लोगों ने स्टेडियम की दीवार और छत पर भी चढ़ने की कोशिश की। चश्मदीदों ने बताया कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर लाखों लोग जुटे थे। अंदर घुसने को लेकर भगदड़ मची। अंदर सभी सीटें भरी हुई थीं। जो खड़े थे वह बाहर नहीं निकल पा रहे थे, क्योंकि गेट खोलते ही भीड़ अंदर घुसने लगती। भगदड़ के बावजूद स्टेडियम के अंदर जश्न जारी रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलुरु भगदड़ पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों की बेहतरी के लिए प्रार्थना करता हूं। कर्नाटक में विपक्षी दल बीजेपी ने कहा कि यह घटना सरकार की वजह से हुई है। उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि कितने लोग आएंगे, क्या सावधानियां बरतनी होंगी। यह सुरक्षा में चूक है। न्यायिक जांच हो। वहीं विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा- 'मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं। पूरी तरह से टूट गया हूं।' उन्होंने हार्टब्रेक का इमोजी भी बनाया। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर कहा- 'जो हुआ वह दुखद है।' पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा- 'भगदड़ दिल दहलाने वाली है।' युवराज सिंह ने लिखा- जश्न का क्षण, त्रासदी में बदल गया। आरपी सिंह ने भी दुख जताया है। कर्नाटक सरकार ने जब स्टेडियम प्रबंधन को कठघरे में खड़ा किया तो आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल सामने आए। उन्होंने कहा कि आगे से इस तरह के आयोजन के लिए और बेहतर इंतजाम करने की कोशिश की जाएगी। बेंगलुरु में जीत के जश्न को मातम में बदलने के लिए सरकार भीड़ को जिम्मेदार बता रही है तो विपक्ष कर्नाटक सरकार के इंतजाम पर सवाल उठा रहा है लेकिन हकीकत जांच के बाद ही सामने आएगी।

डॉ. रामअवतार किला

जिनकी हर पात में सेवा एवं संवेदना की झंकार हैं

ललित गर्ग

आप एक सेतु बन सकते हैं, जीवन-मुस्कान का, जिन्दगी बचाने वाला एवं सेवा करने वाला पुल। हम एक साथ मिलकर जीवन को बचा सकते हैं, जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर कर सकते हैं, अंधेरों के बीच रोशनी बन सकते हैं। इसी सोच के साथ 'अक्षय सेवा' के संयोजक डॉ. रामअवतार किला पिछले दो दशकों से जरूरतमंद मरीजों को परामर्श, दवा एवं ईलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराने में सतत रूप से कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में चलाए जा रहे 'हॉस्पिटल फूड ड्राइव' के अंतर्गत अप्रैल 2017 से दिल्ली के प्रमुख सरकारी अस्पतालों एम्स, सफदरजंग, राममनोहर लोहिया एवं 2023 से लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के बाहर प्रतिदिन लगभग 2500 लोगों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। डॉ. किला के नेतृत्व में गत आठ वर्षों में अब तक 70 लाख से अधिक लोगों को इस पहल के अंतर्गत भोजन वितरित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, एम्स पावरग्रिड विश्राम सदन सहित देश के छह अन्य शहरों पटना, लखनऊ, झज्जर आदि में रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए 2000 से अधिक बिस्तरों की विश्राम सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। ऋषिकेश में निर्माणाधीन 'माधव सेवा विश्राम सदन', जिसमें 500 बिस्तरों की व्यवस्था होगी, जो जल्द ही जनसेवा के लिए समर्पित किया जाएगा। इस तरह डॉ. किला जिन्दगियों को बचाने वाले खूबसूरत पुलों का निर्माण करते हैं। उनकी जिन्दगी की हर पात में सेवा एवं परोपकार की झंकार सुनी जा सकती है।

समय की शिला पर मान, यश, सृजन-सेवा, निष्ठा-आस्था से भरी अनूठी कहानी हैं डॉ. रामअवतार किला की। प्रख्यात समाजसेवी, गौसेवक, कर्मयोद्धा एवं जुझारू व्यक्तित्व के धनी डॉ. किला एक प्रसिद्ध चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी एवं कॉर्पोरेट सलाहकार हैं, जिन्होंने अपने कैरियर में वित्तीय परामर्श और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया है। मूल रूप से राजस्थान के चुरू जिले से ताल्लुक रखने वाले डॉ. किला वर्ष 1977 में उच्च अध्ययन एवं कैरियर निर्माण के उद्देश्य से दिल्ली आए। उन्होंने वर्ष 1982 में कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) तथा 1983 में चार्टर्ड एकाउंटेंसी (सीए) की डिग्रियां प्राप्त की। वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय व्यावसायिक दक्षता, ईमानदारी एवं दूरदर्शिता के बल पर डॉ. किला ने 'परफेक्ट ग्रुप' के माध्यम से कॉर्पोरेट परामर्श में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वह वर्तमान में परफेक्ट ग्रुप के चेयरमैन हैं। इसके अतिरिक्त वे कई सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के साथ सक्रिय भूमिका में जुड़े हुए हैं। वे समाज एवं परिवार के लिए एक प्रेरणा हैं, साहस के प्रतीक हैं, एक प्रकाश हैं और संवेदनाओं के पुंज सेवार्थी एवं परोपकारी व्यक्तित्व हैं। वक्त के अलग-अलग अवसरों पर इस दिव्य व्यक्तित्व की कहानी को सब कोई घटते हुए देख रहे हैं, एक इतिहास बनते हुए देख रहे हैं, एक सृजनात्मक जीवनगाथा को गुंथते हुए देख रहे हैं। डॉ. किला एक अनूठा एवं विलक्षण व्यक्तित्व है, जो उन्हें ठीक लगता है, वही करते हैं। वे बेचैन रहते हैं किसी के अभाव को देखकर। वे खिल उठते हैं किसी की मुस्कान को देखकर।

जैसे सूर्य की किरणें निर्व्याज भाव से सभी को आलोकित करती है, ऊष्मा पहुंचाती है और चांद की किरणें सभी जगह फैलती है तथा सभी को अपने धवल-शीतल आगोश में सहलाती और तापमुक्त करती है, कुछ ऐसा ही व्यक्तित्व है डॉ. किला का। उनके ज्ञान, सेवा और स्नेह की निर्व्याज और सतत प्रवाहित स्रोतस्विनी में जिसे भी एक बार अवगाहन करने का सुयोग मिला, वह इस अनुभूति से कृतार्थता का अनुभव किए बिना नहीं रह सका। उनके सान्निध्य से आदमी अचानक तापमुक्त और ऊंचा अनुभव करने लगता हैं। डॉ. किला को देखकर ही मैंने जाना कि आदमी इतना बड़ा होकर भी इतना निरहंकारी, सादगीमय एवं सरल होता है। उन्होंने अपने कर्म क्षेत्र में अनेक नये आयाम गढ़े और वित्त के क्षेत्र को भी अनेक रचनात्मक दिशाएं दी हैं।

गरीब एवं निर्धन वर्ग की सेवा में समर्पित डॉ. किला जैसे व्यक्तित्व विरल होते हैं, जिनकी सारस्वत साधना की सुरभि चतुर्दिक व्याप्त है तथा जिनकी यशोपताका सर्वत्र फैली हुई है, तथापि जो अपने व्यक्तित्व को सर्वथा सहज, अकृत्रिम एवं निष्कलुष बनाकर रखे हुए है। मधुरभाषी, व्यवहारकुशल, कुशल प्रशासक, जीवनदृष्टि को समझने में सजग एवं पटु डॉ. किला का जीवन समाजसेवा एवं संवेदनाओं से सराबोर है। 'कभी नहीं हारेगी जिन्दगी' के संकल्प के साथ जरूरतमंदों एवं अभावग्रस्त लोगों की जिन्दगी में रोशनी बनने वाले डॉ. किला 'भाऊराव देवरस सेवा न्यास' के संस्थापक ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष है। डॉ. किला की प्रकृत-ऊर्जा विलक्षण हैं। वे कितने सारे सामाजिक, धार्मिक अनुष्ठानों, जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े हैं कि सेवा एवं परोपकार की कितनी शाखाओं और कितनी धाराओं से उनका परिचय रहा, यह देखकर आश्यचर्यचकित रह जाना पड़ता है। उनकी ज्ञान-पिपासा, कर्मठता और निरालस्य सजगता युवकों को चुनौती देने वाले गुण हैं। वे एक समर्थ सामाजिक कार्यकर्ता, चिंतक, मर्मज्ञ और संस्कृतिपुरुष के रूप में एक प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

घाटी में ट्रेन दौड़ने का पूरा हुआ ख्वाब

पीएम मोदी ने कश्मीर में लहराया तिरंगा

कश्मीरी लोगों ने एक ऐसा सपना जो वर्षों पहले देखा था आखिरकार पूरा हो गया। घाटी के लिए 6 जून साल 2025 का दिन खुशियों भरा रहा। घाटी में ट्रेन दौड़ने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे भारत ट्रेन को धमाकेदार अंदाज में हरी झंडी दिखाई। केंद्र सरकार के इस पहल का कश्मीरी लोगों ने खैरमकदम (स्वागत) किया। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज का तिरंगा दिखाकर उद्घाटन किया। यह ब्रिज सवा किमी से ज्यादा लंबा और 359 मीटर ऊंचा है। इसके बाद पीएम मोदी ने अंजी नदी पर बने भारत के पहले केबल स्टे रेल ब्रिज का उद्घाटन किया। कटरा में कश्मीर की पहली ट्रेन कटरा-श्रीनगर वंदे भारत को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कश्मीर की धरती से पीएम मोदी ने पाकिस्तान और आतंकवाद पर प्रहार किए। पीएम वैसे तो कश्मीर को कई सौगात देने गए थे लेकिन पाकिस्तान को एक बार फिर सुधरने के लिए चेतावनी दे आए। प्रधानमंत्री ने भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराकर पड़ोसी को स्पष्ट संदेश दे दिया कि दोबारा ऐसी गलती की तो भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

कश्मीर (घाटी) के लिए 6 जून साल 2025 का दिन खुशियों भरा रहा। कश्मीरी लोगों ने एक ऐसा सपना जो वर्षों पहले देखा था आखिरकार पूरा हो गया। घाटी में ट्रेन दौड़ने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे भारत ट्रेन को धमाकेदार अंदाज में हरी झंडी दिखाई। केंद्र सरकार के इस पहल का कश्मीरी लोगों ने खूब खैरमकदम (स्वागत) किया। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज का तिरंगा दिखाकर उद्घाटन किया। यह ब्रिज सवा किमी से ज्यादा लंबा और 359 मीटर ऊंचा है। इसके बाद पीएम मोदी ने अंजी नदी पर बने भारत के पहले केबल स्टे रेल ब्रिज का उद्घाटन किया। कटरा में कश्मीर की पहली ट्रेन कटरा-श्रीनगर वंदे भारत को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित भी किया। कश्मीर की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान और आतंकवाद पर जमकर प्रहार किए। पीएम मोदी वैसे तो कश्मीर को कई सौगात देने गए थे लेकिन पाकिस्तान को एक बार फिर सुधरने के लिए चेतावनी दे आए। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराकर पड़ोसी को स्पष्ट संदेश दे दिया कि दोबारा ऐसी गलती की तो इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। कुछ वर्षों पहले ऐसा भी था कि कश्मीर में तिरंगा लहराना या फहराना आसान नहीं था। इसके साथ कश्मीर के लिए रेल यातायात के लिए एक नया अध्याय जुड़ गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज का अभूतपूर्व परियोजना को संभव बनाने वाले इंजीनियरों और निर्माण श्रमिकों की पीठ थपथपाई। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी 48,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। हालांकि, परियोजनाओं के शुभारंभ के बीच जिस पल ने सभी का ध्यान खींचा, वह था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दुनिया के सबसे ऊंचे पुल पर राष्ट्रीय ध्वज लहराना। चिनाब पुल दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है, जो कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ेगा और सभी मौसम में संपर्क सुनिश्चित करेगा। यह भूकंप और सर्दियों के दौरान सबसे न्यूनतम तापमान को भी झेल सकता है, जब पारा शून्य से नीचे चला जाता है। पीएम ने इंजीनियरों और श्रमिकों के साथ भी बातचीत की, जिन्होंने मौसम और स्थानीय बाधाओं को पार करते हुए 359 मीटर ऊंचे दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के काम को पूरा किया, जो पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है। चिनाब ब्रिज को एक वास्तुशिल्प चमत्कार के रूप में सराहा जाता है, जो नदी से 359 मीटर ऊपर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कदम पहलगाम हमले के षडयंत्रकारियों को करारा जवाब देने के साथ-साथ पाकिस्तान के लिए भी कड़ा संदेश था। साथ ही घाटी में पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प को भी इससे बल मिलेगा। पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के बाद घाटी में पर्यटन को भी झटका लगा था।

कश्मीर की धरती से पीएम मोदी ने पाकिस्तान को फिर चेताया

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को पहली बार जम्मू-कश्मीर पहुंचे। पीएम मोदी ने कटरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में इंसानियत और कश्मीरियत दोनों पर वार किया। उसका इरादा भारत में दंगे कराने का था, कश्मीर के मेहनतकश लोगों की कमाई रोकने का था, इसलिए पाकिस्तान ने टूरिस्ट पर हमला किया। टूरिज्म जो लगातार 4-5 साल से बढ़ रहा था। हर साल यहां रिकॉर्ड संख्या में टूरिस्ट आ रहे थे। जिस टूरिज्म से जम्मू-कश्मीर के गरीबों के घर चलते हैं, उसको पाकिस्तान ने निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का नौजवान अब आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का मन बना चुका है। ये वो आतंकवाद है, जिसने घाटी में स्कूल जलाए, अस्पताल तबाह किए, जिसने कई पीढ़ियों को बर्बाद किया। जनता अपनी पसंद से नुमाइंदे चुन सके, यहां चुनाव हो सके। ये आतंकवाद के चलते बड़ी चुनौती

बन गया था। पीएम मोदी ने कहा कि अब पाकिस्तान कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी। आतंकवाद के चलते जम्मू-कश्मीर की जनता ने इतनी बर्बादी देखी थी कि यहां के लोगों ने सपने देखना ही छोड़ दिया था। आतंकवाद को ही अपना भाग्य मान लिया था। जम्मू-कश्मीर को इस स्थिति से निकालना जरूरी था और हमने ये करके दिखाया है। आज जम्मू-कश्मीर का नौजवान नए सपने भी देख रहा है और उन्हें पूरा भी कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है, ईद की उमंग भी हम चारों तरफ देख रहे हैं। विकास का जो वातावरण जम्मू-कश्मीर में बना था, वो पहलगाम के हमले से हिलने वाला नहीं है। जम्मू-कश्मीर के लोगों से मेरा ये वादा है कि विकास को रुकने नहीं दूंगा, यहां के युवाओं के सपने पूरा करने से कोई भी बाधा अगर रुकावट बनती है तो उस बाधा को पहले मोदी का सामना करना पड़ेगा।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी की खूब तारीफ की

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। सीएम ने कहा कि जो ख्वाब अंग्रेज पूरा नहीं कर पाए थे, वो ख्वाब पीएम मोदी ने पूरा किया है। उन्होंने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए धन्यवाद दिया। सीएम अब्दुल्ला ने एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस रेल परियोजना का ख्वाब कई लोगों ने देखा। यहां तक की कश्मीर को रेलवे के साथ जोड़ने का ख्याब अंग्रेजों ने भी देखा था। लेकिन, वह पूरा नहीं कर पाए। जो ख्वाब अंग्रेजों की ओर से पूरा नहीं हो पाया। वह ख्याब पीएम मोदी ने पूरा किया। जम्मू-कश्मीर की वादी को बाकी मुल्क से जोड़ दिया गया। अब्दुल्ला ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से टूरिज्म को फायदा होगा। बारिश के दौरान हाईवे बंद हो जाते हैं। हवाई जहाज वाले लूटने लगते हैं। 5 हजार की टिकट 20 हजार की टिकट हो जाती है। बारिश होने पर अब विमान कंपनियां लूट नहीं मचा पाएंगी, क्योंकि लोगों के पास ट्रेन के जरिए दिल्ली तक जाने का विकल्प होगा। सीएम अब्दुल्ला ने पीएम मोदी से कहा कि माता की कृपा से राज्यपाल मनोज सिन्हा का प्रमोशन हुआ। मेरा थोड़ा डिमोशन हुआ। मैं पहले रियासत का मुख्यमंत्री था अब यूटी का मुख्यमंत्री हूं। लेकिन, मानकर चल रहा हूं कि इसे दुरुस्त होने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। और आपके हाथों ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हिमालयी क्षेत्रों में ऐतिहासिक सफाई अभियान

8000 लोगों की भागीदारी 4000 किलो प्लास्टिक कचरा हुआ एकत्र

5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में एक साथ चलाए गए विशाल सफाई अभियान ने इतिहास रच दिया। वेस्ट वॉरियर्स के नेतृत्व में हुए इस अभियान में लगभग 8000 लोगों ने पूरे दिल से भाग लिया और करीब 4000 किलो प्लास्टिक कचरा एकत्र कर पर्यावरण के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाई।

इस प्रयास में महिला मंडलों, युवा समूहों, स्कूल-कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, एनसीसी और एनएसएस इकाइयों, स्थानीय नागरिकों और सरकारी विभागों का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। यह अभियान न सिर्फ सफाई का प्रतीक था, बल्कि एक जनआंदोलन बन गया जिसमें हर उम्र और वर्ग के लोग जुटे। अपने हिमालय को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के लिए।

प्रमुख स्थल जहाँ अभियान हुआ:

देहरादून: सहस्त्रधारा, हर्रावाला, लक्ष्मण सिद्ध, मिट्टी बेरी रोड, टपकेश्वर मंदिर रोड, जोधी गांव
मसूरी: केम्पटी फॉल, भट्टा फॉल
हरिद्वार: मनसा देवी मंदिर
ऋषिकेश: नीलकंठ मंदिर
उत्तरकाशी: गैचवाण गांव, गंगोत्री ट्रैकिंग रूट
जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क
विकासनगर: असन वेटलैंड

हिमाचल प्रदेश में भी युवाओं और स्वयंसेवकों ने मिलकर प्राकृतिक स्थलों को साफ-सुथरा बनाने में योगदान दिया।

वेस्ट वॉरियर्स के सहायक निदेशक, श्री नवीन कुमार सडाना ने कहा:
आज का दिन सिर्फ सफाई का नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना और प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गया। जब एक साथ हज़ारों लोग अपने पर्यावरण की रक्षा के लिए निकलते हैं, तो यह सिर्फ एक गतिविधि नहीं रहती- यह पर्यावरण प्रेम का उत्सव बन जाता है। हमें गर्व है कि हमने 3000 किलो से अधिक प्लास्टिक हटाकर इन जगहों को फिर से सांस लेने का मौका दिया।

यह अभियान एक प्रेरणादायक शुरुआत है- यह दिखाता है कि अगर नागरिक, संस्थाएं और सरकार मिलकर चलें, तो कोई भी बदलाव असंभव नहीं है।

वेस्ट वॉरियर्स की ओर से उन सभी को दिल से धन्यवाद जिन्होंने इस प्रयास को सफल बनाया। आइए, आज के सफर को जारी रखें- क्योंकि स्वच्छ हिमालय ही सुरक्षित भविष्य है।

आज के इस सफाई अभियान में नीरज भाटिया, एडिशन, पूजा, अवधेश, रिया, जसप्रीत, अमित,विनोद, विशाल, लहर आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड को डिजिटल टैलेंट केंद्र बनाने की तैयारी

मुख्यमंत्री की अगुवाई में सेतु आयोग लिखेगा उत्तराखंड के विकास की नई गाथा

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के उपस्थिति में बुधवार को सचिवालय में तीन महत्वपूर्ण समझौते किये गये। उत्तराखंड सरकार, सेतु आयोग और टाटा ट्रस्ट ने सामाजिक विकास के क्षेत्रों में कार्य के लिए समझौता किया गया। उत्तराखंड को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत का प्रमुख कौशल केंद्र बनाने की दिशा में सेतु आयोग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग और नैस्कॉम/आईटी-आईटीईएस सेक्टर स्किल काउंसिल के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य को उभरती टेक्नोलॉजी और छात्रों के रोजगार परक व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास केंद्र बनाने के लिए भी सेतु आयोग, उच्च शिक्षा विभाग और वाधवानी फाउंडेशन के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

उत्तराखंड में सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए टाटा ट्रस्ट के साथ 10 साल के लिए किए गए समझौते के तहत जल प्रबंधन, पोषण, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण आजीविका और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम किया जाएगा।

उत्तराखंड को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रमुख कौशल केंद्र बनाने के लिए नैस्कॉम के साथ हुए समझौते के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में कोर्सेस को शैक्षणिक क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा और प्रत्येक जिले में एक मॉडल कॉलेज को 'मेंटर संस्थान' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य के लगभग 1.5 लाख छात्रों को फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, पायथन, जनरेटिव जैसे क्षेत्रों में जानकारी और कौशल विकास करना है।

उत्तराखंड को उभरती टेक्नोलॉजी और छात्रों के रोजगार परक व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास केंद्र बनाने हेतु वाधवानी फाउंडेशन के साथ तीन वर्षो के लिए किये गये समझौते के तहत राज्य के सभी सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में कोर्सेस को अगले सत्र से शैक्षणिक क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य राज्य के लगभग 1.20 लाख छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित व्यक्तित्व विकास और स्वरोजगार सम्बंधित कौशल विकास में सहायता प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सामाजिक विकास, राज्य को डिजिटल टैलेंट का केन्द्र बनाने और एआई आधारित व्यक्तित्व विकास के आधुनिक कोर्स प्रारंभ करने के लिए आज हुए तीनों समझौते राज्य के लोगों के लिए अत्यधिक उपयोगी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरखण्ड को हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा समाज के अंतिम छोर के लोगों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। राज्य के समग्र विकास के लिए हर क्षेत्र और वर्ग के लोगों को साथ लेकर अनेक नई पहल की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये समझौते उत्तराखण्ड में आधुनिक कौशल से परिपूर्ण मानव संसाधन को तैयार करने और राज्य को आधुनिक एआई व साइबर सिक्योरिटी हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एआई अधारित पाठ्यक्रम उत्तराखंड को युवा छात्रों को रोजगार परक कौशल बढ़ाने और 21वीं सदी के लिए सॉफ्ट स्किल विकास की दिशा में कारगर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने राज्य में किये गये इन तीन महत्वपूर्ण समझौतों के लिए टाटा ट्रस्ट, नैस्कॉम और वाधवानी फाउन्डेशन का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सेतु आयोग के उपाध्यक्ष श्री राज शेखर जोशी, मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, सीईओ सेतु आयोग श्री शत्रुघ्न सिंह, टाटा ट्रस्ट के सीईओ श्री सिद्धार्थ शर्मा, नैस्कॉम स्किल काउंसिल की सीईओ श्रीमती अभिलाषा गौड़, वाधवानी फाउन्डेशन के एक्जीक्यूटिव वीपी श्री सुनील दहिया, उच्च शिक्षा सचिव श्री रंजीत सिन्हा, सचिव श्रीमती राधिका झा, श्री नितेश झा, श्री चन्द्रेश यादव, श्री वी षणमुगम, श्री सी. रविशंकर उपस्थित थे।

सेतु आयोग ने किया नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के तहत क्षेत्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन

सेतु आयोग ने देहरादून में नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन (एसएसएम) के तहत एक क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें देश के 10 राज्यों के संस्थागत प्रतिनिधि और राज्य योजना/परिवर्तन आयोग के अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य परिवर्तन संस्थानों के प्रतिनिधि, विषय विशेषज्ञ और अन्य महत्वपूर्ण लोग मौजूद रहे। इस मौके पर राज्यों में जमीनी स्तर पर असर दिखाने वाली नीतियों और नए-नए विचारों को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की गई, ताकि सरकार की योजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू किया जा सके।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि डॉ. विजय सारस्वत ने कहा कि 'विकसित भारत' का सपना, 'विकसित राज्यों' से ही शुरू होता है। उन्होंने बताया कि राज्यों की नीतियों का उनके अपने हालात और जरूरतों के हिसाब से बनना बहुत जरूरी है, ताकि हर किसी का विकास हो सके।

उन्होंने यह भी कहा कि कई राज्यों में संसाधनों की कमी एक बड़ी चुनौती है, और स्टेट सपोर्ट मिशन का उद्देश्य इन्हीं चुनौतियों को दूर करना है, ताकि राज्य अपने स्तर पर मजबूत बन सकें और बेहतर फैसले ले सकें। उन्होंने तथ्यों पर आधारित नीति बनाने और उसे सही तरीके से लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

उपाध्यक्ष सेतु आयोग राज शेखर जोशी ने राज्यों की विकास रणनीतियों और प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विजन के तहत राज्यों की जीडीपी बढ़ाने के लिए कौशल विकास की अहमियत बताई। उन्होंने आपसी सहयोग, तकनीक, सरकारी योजनाओं के अच्छे क्रियान्वयन और लगातार निगरानी की जरूरत पर भी जोर दिया।

मुख्य सचिव श्री आनंद बर्धन ने विकसित और सशक्त उत्तराखंड के विजन को हासिल करने के लिए डेटा आधारित जिला योजना की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सेतु आयोग से अनुरोध किया कि वह इस पहल को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाए। यह सम्मेलन 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम है, जिसमें राज्यों को मजबूत बनाना, नए-नए विचारों को अपनाना और सरकारी योजनाओं की डिलीवरी को बेहतर बनाना मुख्य उद्देश्य रहा। केंद्र लगातार राज्यों को सलाह दे रहे हैं कि वे अपने यहां नीति आयोग जैसी संस्थाएं बनाएं, ताकि योजना आयोग की जगह ये नई संस्थाएं ले सकें।

कार्यक्रम की शुरुआत सेतु आयोग के स्वागत भाषण से हुई, उसके बाद नीति आयोग और उत्तराखंड सरकार के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। सम्मेलन में बेहतर गवर्नेंस, डेटा पर आधारित फैसले, डिजिटल बदलाव और कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर समन्वय पर तकनीकी सत्र हुए। अलग-अलग राज्यों के एसआईटी अधिकारियों के बीच बातचीत से साझा समस्याओं के समाधान और मिलजुल कर सोचने का मौका मिला। चर्चा के दौरान संस्थाओं को मजबूत करने और लोगों की क्षमता बढ़ाने के लिए आपस में जानकारी बांटने के तरीके तय किए गए। आगे बढ़े हुए राज्यों के अच्छे उदाहरण ों से बाकी राज्यों को भी नए तरीके अपनाने में मदद मिलेगी। जमीन पर असर लाने वाली नीतियों को लागू करने के लिए ठोस एक्शन पॉइंट्स भी तय किए गए। यह सब प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने की दिशा में राज्यों की सक्रिय भागीदारी को मजबूत करने के लिए किया गया है।

सेतु आयोग, उत्तराखंड का एक उभरता हुआ प्रमुख नीति अनुसंधान संस्थान (थिंक टैंक) है, जो राज्य के समग्र विकास के लिए कई क्षेत्रों में काम कर रहा है। आयोग का मुख्य उद्देश्य है- नीति और ज़मीनी हकीकत के बीच की दूरी को पाटना, नवाचार और रिसर्च को बढ़ावा देना और सभी हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल बनाना। आयोग ने कृषि सप्लाई चेन, किसान सलाह, बकरी पालन में नई तकनीक, महिला सशक्तिकरण, इलेक्ट्रिक वाहन नीति, आईटी इंडस्ट्री नीति, स्टार्टअप्स को बढ़ावा, कौशल विकास, शहरी प्रशासन और उच्च शिक्षा जैसे कई क्षेत्रों में काम शुरू किया है। सेतु आयोग का यह प्रयास राज्य में भागीदारी, नवाचार और असरदार नीति लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सम्मेलन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी शत्रुघ्न सिंह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

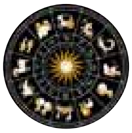
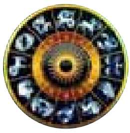

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि- अपने लोगों के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी। संतान के विदेश जाने से जुड़े काम शुरू हो जाएंगे। यह भी ध्यान रखें कि आपकी किसी जिद के कारण परिस्थितियां बिगड़ भी सकती हैं। अपने स्वभाव को सामान्य रखें। बच्चों को भी आपकी मदद की जरूरत होगी, इसलिए उनके लिए भी थोड़ा समय निकालना जरूरी है।

वृषभ राशि- आप अपनी मेहनत से उम्मीद से ज्यादा फायदा पा सकते हैं। इसलिए अपने कामों पर पूरा ध्यान दें। आपको अनुभवी लोगों से भी सलाह मिलेगी। घर में किसी बूढ़े व्यक्ति की सेहत को लेकर चिंता बनी रहेगी। सोच-समझकर ही पैसों का निवेश करें। किसी की बातों में न आएं और अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें। वैवाहिक जीवन में प्यार और तालमेल बना रहेगा।

मिथुन राशि- रोज की व्यस्त जिंदगी से आराम पाने के लिए कुछ समय अपनी पसंद के काम जरूर करें। इससे आपको नई ऊर्जा मिलेगी। अभी आपकी कमाई के साथ-साथ खर्च भी ज्यादा रहेंगे। किसी रिश्तेदार के कारण भी आपको परेशानी हो सकती है। अच्छा होगा कि आप अपने निजी कामों में ही व्यस्त रहें। व्यापार के कामों में परिवार के सदस्य भी आपकी मदद करेंगे।

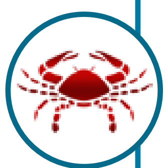

कर्क राशि- राजनीति और सामाजिक कामों में भी आपका प्रभाव बना रहेगा। संतान की किसी गलत आदत का पता चलने से मन उदास रहेगा। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। व्यापार में कर्मचारियों की किसी गलती से आपको नुकसान हो सकता है। इस समय आपको व्यापार से जुड़े हर मामले में सावधान रहने की जरूरत है। कुछ समय घर-परिवार के साथ भी जरूर बिताएं।

सिंह राशि- संतान की किसी सफलता से मन को शांति और खुशी मिलेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से भी मुलाकात होगी। किसी छोटी सी बात पर झगड़ा हो सकता है। इसलिए अपनी भावनाओं पर काबू रखें और शांत रहें। कहीं भी निवेश करने से पहले उससे जुड़ी सही जानकारी जरूर लें। व्यापार के काम अच्छे से चलते रहेंगे। ऑफिस का माहौल तनावपूर्ण रह सकता है।

कन्या राशि- बड़े लोगों से मुलाकात फायदेमंद और सम्मानजनक साबित होगी। आपका पूरा ध्यान अपने काम और पैसों से जुड़ी गतिविधियों पर रहेगा। परिवार के लोगों का भी आपको अच्छा सहयोग मिलेगा। अचानक किसी अनजान व्यक्ति से मुलाकात आपको एक नई राह दिखा सकती है। पड़ोसियों के साथ आपसी मनमुटाव के कारण झगड़े बढ़ सकते हैं।

तुला राशि- घर में किसी मांगलिक कार्य की तैयारी को लेकर भी आप व्यस्त रहेंगे। हर परिस्थिति में सकारात्मक रहें। कोर्ट केस और सरकारी मामले उलझ सकते हैं। संतान की गतिविधियों पर भी ध्यान रखें। कार्यस्थल की अंदरूनी व्यवस्था में सुधार आएगा और आपके कर्मचारी और बड़े अधिकारी भी आपका साथ देंगे। कमाई के नए रास्ते भी खुलेंगे।

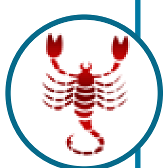

वृश्चिक राशि- युवाओं द्वारा किसी प्रोजेक्ट के लिए की गई कोशिश सफलता की ओर बढ़ेगी। पैसों या लेनदेन से जुड़ा कोई भी फैसला लेने से पहले उससे जुड़े अच्छे से सोच विचार कर लें। पारिवारिक मामलों में ज्यादा दखल देने और रोक टोक करने से परिवार के लोग नाराज हो सकते हैं। यदि साझेदारी करने की योजना है तो उसे तुरंत शुरू करना सही रहेगा।

धनु राशि- विद्यार्थियों का ध्यान अपनी पढ़ाई पर लगा रहेगा। कोई काम अपनी पसंद के अनुसार न होने पर तनाव लेने के बजाय उसका हल ढूंढें। अपने करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ रिश्तों में कड़वाहट न आने दें। बिना मतलब के खर्चे भी आपको परेशान करेंगे। व्यापार में आपको बहुत ज्यादा मेहनत करने और सावधान रहने की जरूरत है। जोखिम भरे कामों में पैसा न लगाएं।

मकर राशि- अपनी योजनाओं को गुप्त तरीके से करते रहें। थोड़ी सी सावधानी रखने से आपकी योजनाएं और काम सफल रहेंगे। किसी खास दोस्त का साथ भी आपके लिए मददगार रहेगा। इस समय किसी भी तरह का उधार देने या निवेश करने पर अपना पैसा न लगाएं क्योंकि यह समय इन कामों के लिए अच्छा नहीं है। कर्मचारी और स्टाफ आपके काम में आपका साथ देंगे।

कुंभ राशि- महिलाएं अपने घर के काम आसानी से पूरे कर लेंगी और उनका ध्यान अपने निजी कामों पर भी रहेगा। कोई जरूरी यात्रा भी संभव है। व्यापार में काम का बोझ बढ़ेगा लेकिन अपने उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता न करें। घर-परिवार में सुखद और शांतिपूर्ण स्थिति रहेगी। प्रेम संबंधों में कुछ कड़वाहट आ सकती है। आपको मौसम से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं।

मीन राशि- अपनी पिछली गलतियों से सीखकर अपने आज को बेहतर बनाएं। इसका अच्छा असर आपके व्यक्तित्व पर भी पड़ेगा। आज किसी प्यारे व्यक्ति से मिलकर आपको खुशी और ताजगी मिलेगी। आप अपने कामों पर भी ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। नई कार्य प्रणाली से जुड़ी योजनाएं बन सकती हैं। साझेदारी वाले व्यवसाय में तरक्की होगी। दोस्त से मुलाकात पुरानी यादें ताजा करेंगी।

लव ट्रायंगल में फंस गई थीं ऐश्वर्या राय

जब ऐश्वर्या पर लगा था सीक्रेट अफेयर का आरोप

90 के दशक में बॉलीवुड में जितने ज्यादा एक्टर्स आए उतने ही लव स्कैंडल भी हुए। अफेयर की अफवाहों से लेकर सीक्रेट वेडिंग तक, एक्टर और एक्ट्रेस अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहते थे। हम आपको ऐश्वर्या राय, मनीषा कोइराला और राजीव मूलचंदानी से जुड़े एक ऐसे विवाद के बारे में बताएंगे, जिसे आज भी सबसे सनसनीखेज लव ट्राएंगल में से एक माना जाता है।

मनीषा कोइराला ने लगाया था ऐश्वर्या पर आरोप

उस समय मनीषा कोइराला एक मशहूर मॉडल राजीव मूलचंदानी के साथ रिलेशनशिप में थीं। हालांकि, उनके रिश्ते में तब चौंकाने वाला मोड़ आया जब मनीषा कोइराला ने राजीव मूलचंदानी पर ऐश्वर्या राय के साथ सीक्रेट अफेयर होने का आरोप लगाया।

मनीषा को मिले थे लव लेटर्स

मनीषा कोइराला ने उस समय दावा किया था कि उन्हें राजीव मूलचंदानी के लिखे लव लेटर्स मिले थे जो उन्होंने ऐश्वर्या राय के लिए लिखे थे। पूर्व मिस वर्ल्ड इन आरोपों से बहुत दुखी थीं। घटना को याद करते हुए, उन्होंने एक बार कहा था, 'मैं पागलों की तरह रोई थी। मेरे आस-पास जो कुछ भी हो रहा था, उससे मैं वाकई बहुत दुखी थी।'

ऐश्वर्या करने वाली थी मनीषा की तारीफ

ऐश्वर्या राय ने यह भी बताया कि वह 1995 की फिल्म बॉम्बे में मनीषा कोइराला की एक्टिंग से काफी ज्यादा प्रभावित हुई थीं और उनकी तारीफ करने वाली थीं। हालांकि, जब अभिनेत्री ने उन्हें इस तरह के विवाद में शामिल किया तो उनका निर्णय जल्द ही बदल गया।

ऐश्वर्या राय ने कहा, '1 अप्रैल को राजीव ने मुझे फोन किया और मैंने उत्साह से उन्हें बताया कि मैं मनीषा के अभिनय की कितनी प्रशंसा करती हूं। तभी उन्होंने हंसते हुए पूछा कि क्या मैं अखबार पढ़ रही थी। उन्होंने मुझे बताया कि मनीषा ने दावा किया है कि उन्हें मेरे लिए लिखे गए प्रेम पत्र मिले हैं। मुझे यकीन नहीं हुआ! यह मेरे लिए बहुत बड़ा झटका था।'

बाद में हो गया था दोनों का ब्रेकअप

ऐश्वर्या राय ने भी इस बात पर सवाल उठाया और आरोपों के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर मनीषा कोइराला और राजीव मूलचंदानी का ब्रेकअप अफेयर की अफवाहों की वजह से हुआ था, तो इस मामले को सामने लाने में नौ महीने की देरी क्यों हुई? ऐश्वर्या राय ने यह भी बताया कि जब मनीषा कोइराला से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपना बचाव करते हुए दावा किया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है।

ज्ञान-विज्ञान का खजाना

सरल हिन्दी भाषा में, सभी आयु वर्ग के लिए

विज्ञान संप्रेषण

राष्ट्रीय मासिक वैज्ञानिक पत्रिका

ISSN: 2583-6064

प्रत्येक माह 60 पृष्ठीय

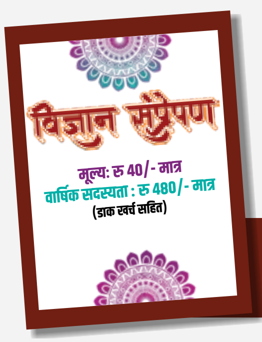

अपने नजदीकी बुक स्टॉल से मांगे

अथवा पत्रिका की वार्षिक सदस्यता के लिए हमे लिखें

subscription.vigyan@gmail.com

संपादकीय कार्यालय: 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)

मोबाइल: +91 8433456398, 9027361913 | Email: subscription.vigyan@gmail.com

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 | Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027

Silkyara™

हिमालय का वरदान
बद्री गाय का घी

उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाई जाने वाली बद्री गाय जिसको "कामधेनु" भी कहा जाता है, का परंपरागत रूप से बनाया गया घी अब देहरादून में भी उपलब्ध है

- A2 प्रोटीन युक्त
- औषधीय गुणों से भरपूर
- इम्युनिटी बढ़ाने में लाभदायक
- पाचन में हल्का और बाल विकास में सहायक

कुमार स्वीट्स

- सहस्त्रधारा रोड, निकट क्रॉसिंग
- धर्मपुर, निकट एलआईसी बिल्डिंग

पर उपलब्ध है।

fssai 22623030001586
UDYOG AADHAR MSME UK050061483

THE DOON HIMALAYAN AGRO FOODS
Dehradun
Lokesh Asthana - 7409782771